।। अंक ज्योतिष ।।

अंक ज्योतिष मूलतः भारत की ही खोज मानी जाती हैं परन्तु इसका विकास अधिकतर विदेश में हुआ हैं । अंक ज्योतिष भारतीय ज्योतिष का ही ऐक अंग हैं । जंहा भारतीय ज्योतिष अत्यंत जटील और कठीन हैं वंही अंक ज्योतिष सरल और सहज ही समझ में आ जाने वाली पध्दती हैं ।

प्राचीन ग्रीक विद्वानों का ऐसा मत था कि सारे अंको में इसांनी जीवन का रहस्य छुपा हुआ हैं । अंक सभी के विचार और आकृति के तौर तरिको को नियंत्रण में रखते हैं । विध्वंस के कारणों का परिणाम भी अंक ही बताते हैं, निरंतर लोकप्रिय होती ये पध्दती अब तक खोज के नये विचारों और प्रयोगों से गुजर रही हैं । बहरहाल बहुत से मत और विचार हैं और कुछ सिध्दांत का रूप भी ले रहे हैं ।

शून्य और दशमलव की खोज भारत में हुई थी परन्तु कुछ प्राचीन शास्त्र अथवा विद्वान बताते हैं कि सारे अंको की खोज ही भारत में हुई थी और ये सब शून्य में से ही की गई थी । शून्य को मानो तो कुछ नही हैं और मानो तो सम्पुर्ण ब्रहमाण्ड हैं । अब ब्रहमाण्ड में क्या नही हैं ? हम सभी शून्य से आते हैं और अंत में शून्य में ही विलीन हो जाते हैं । शायद इसलिये सभी अंको का ऐक ऐक ग्रह स्वामी हैं और उन्ही ग्रहों के स्वामी के स्वभाव अनुसार सभी अंक अपना प्रभाव देते हैं और फिर अंतत ये भारतीय ज्योतिष से जुड़ जाता हैं । अब ये तो सभी जानते हैं कि भारतीय ज्योतिष का फलित बताने का ये अपना स्टायल हैं कि सभी ग्रह अपने स्वभावानुसार मनुष्य का स्वाभाव बनाते हैं ।

भारतीय दर्शन के अनुसार ब्रह्माण्ड ही सम्पुर्ण चीजों का जनक हैं और हर वो प्रभाव जो पृथ्वी पर मेहसूस किया जाता हैं वो शून्य से अथवा ब्रह्माण्ड से ही प्रकट होता हैं । जीवन भी ब्रह्माण्ड की ही देन हैं और ब्रह्माण्ड की उथल पुथल ही मनुष्य जीवन की उथल पुथल हैं । तभी तो कहा हैं " यथा ब्रह्माण्डें, तत् पिण्डे " अर्थात जो ब्रह्माण्ड में हैं वही प्रत्येक पिण्ड में हैं ।

भारतीय ज्योतिष के अनुसार ब्रह्माण्ड में जो नवग्रह हैं वे सभी किसी ना किसी राशि अथवा नक्षत्र के स्वामी हैं । इसी क्रम में वे ये भी मानते हैं कि एक से लेकर नौ तक सभी अकों के भी ग्रह ही स्वामी हैं । इसी से शून्य अथवा ब्रह्माण्ड की विराटता प्रकट होती हैं वंही भारतीय ज्योतिष की गहनता भी प्रकट होती हैं । ये मत बहुत प्रचलित भी हैं और इसे सहज ही समझ में आ जाने वाला मत माना जाता हैं । हालाकि विदेशी विद्वान नौ से अधिक ग्रह मानते हैं और वे इस क्रम में युरेनस , प्लूटों और हर्षल का भी इसमें समावेश करते हैं ।

ऐसा माना जाता हैं कि कबाला भाषा पध्दती में सर्वप्रथम अंक ज्योतिष के विषय में बताया गया था । बाद में इसमें से यहुदियों ने अपनी साहित्यक भाषा हिब्रू में एक अक्षरमाला का निर्माण किया था । यहुदियों की हिब्रू अक्षरमाला में २२ अक्षर होते हैं और वे इसे अल्फा से ओमेगा तक गिनते हैं । अग्रेंजी अक्षरमाला में २६ अक्षर हैं और वे इसे ऐ से लेकर जेड तक गिनते हैं । हालाकि अग्रेंजी भाषा हिब्रू, ग्रीक और रोमन अक्षरमालाओं से मिलकर बनी हैं । इसलिये विदेशी अंक ज्योतिष में बहुत विभिन्न मत मिलते हैं और तो और अब इसमें ऐक और नया चीनी मत भी मिलने लगा हैं और अंक ज्योतिष खिचड़ी सी बन गया हैं । बहरहाल हम सर्वाधिक प्रचलित मत को पेश करने का प्रयत्न करेगें । इसके लिये हम अग्रेंजी अक्षरमाला के अंको को ही लेगें ।

आजकल हम सभी फिल्मों और टी वी सिरियलों में देखते हैं कि किसी किसी फिल्म अथवा टी वी सिरियल के नाम में ऐक अक्षर बढ़ा हुआ होता हैं । ये अंक ज्योतिष अथवा न्युमेरोलॉजी का ही कमाल होता हैं कि उसमें ऐक अक्षर अथवा ऐक स्वर और व्यंजन बढ़ाकर उस फिल्म अथवा टी वी सिरियल की न्युमेरोलॉजिकल वैल्यु बढ़ा दी जाती हैं । इससे वो फिल्म अथवा टी वी सिरियल बनाने वाले के लिये भाग्य वर्धक सिध्द होने लगती हैं । यंहा अक्षरमाला के व्यजंन और स्वर विशेष भूमिका निभाते हैं । उदाहरण के तौर पर जिस शब्द में अथवा नाम में अधिक स्वर होते हैं वो नाम अथवा शब्द, हल्का फुल्का माना जाता हैं और उसमें स्थिरता नही होती । इसके विपरित जिस नाम अथवा शब्द में व्यंजन अधिक होते हैं उसमें स्थिरता होती और ऐसे नाम वाले लोग अधिक आत्मविश्वास वाले होते हैं । ये विषय हम विस्तार से आगे बतायेगें फिलहाल आप देख ले कि आप अपना भाग्याकं कैसे बना सकते हैं ।

अपने पुकारने वाले नाम से आप अपना भाग्यांक बना सकते हैं, इसके लिये हम आगे ऐक नियमावली दे रहे हैं जोकि देश विदेश के विभिन्न विद्वानों की वर्षों की मेहनत का निचोड़ हैं । हिन्दी शब्दों में अर्ध शब्द और मात्राऐं अधिक हैं, इसलिये इसें अग्रेंजी शब्दों के द्वारा प्रदर्शित करना ज्यादा सहुलियत वाला काम हैं । अपने नाम में ईस्तेमाल होने वाले अग्रेंजी अक्षरों को लिख लिजिये ।

अब हम आपको बतातें हैं कि प्रत्येक अग्रेंजी अक्षर का क्या अंक हैं । इन अक्षरों के अंको को तब तक जोड़ लिजिये जब तक इकाई सख्यां ना आ जायें, यही आपका भाग्यांक हैं । A1 -- B2 -- C3 -- D4 -- E1 -- F5 -- G6 -- H7 -- I1 -- J2 -- K3 -- L4 -- M5 -- N6 -- O1 -- P7 -- Q8 -- R9 -- S3 -- T4 -- U1 -- V6 -- W6 -- X7 -- Y5 -- Z1। उपरोक्त अक्षरों से आप अपना भाग्यंक बना सकते हैं । जैसे मान लिजिये किसी का नाम अमर शर्मा हैं ।

अब देखें अमर शर्मा के अंग्रेजी अक्षर और उसके अंक तथा उसका अंतिम जोड़. $A+M+A+R+S+H+A+R+M+A=$ अब देखें अंतिम जोड़ $1+5+1+9+3+7+1+9+5+1=42.$ अंतिम जोड़ $4+2=6$ । तो अमर शर्मा का भाग्यांक हैं छह ।

इसी तरह से आप भी अपना भाग्यांक बना सकते हैं । बहरहाल अपने नाम से बनने वाला भाग्याकं आपने देखा इसी तरह जन्म तारीख से भी आप अपना भाग्यांक बना सकते हैं । ये उनके लिये हैं जिन्हे अपनी जन्म तारीख का ज्ञान नही हैं । यंहा देख लिजिये कि आपके नाम वाले अक्षरों में कंहि अधिक स्वर (A, E, O, U) तो ईस्तेमाल नही हो रहे हैं ? अगर ऐसा हैं तो भाग्य आपका साथ कम दे पायेगा और आपमें आत्म विश्वास की भी कमी होगी । तो ऐसे में आप भी फिल्मी स्टायल में अपने नाम के साथ ऐक अथवा दो व्यंजन जोड़कर अपने नाम को भाग्यशाली बना सकते हैं ।

अब जानिये अपनी जन्म तारीख से बनने वाला आपका मूलांक और उससे पड़ने वाला आप पर प्रभाव अब आगे हम इसी मूलांक के विषय में आपको जानकारी दे रहे हैं । अपनी जन्म तारीख से अपना मूलांक ज्ञात किजिये और जानिये कि आप कैसे हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म १, १०, १६, और २८ तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक ऐक हैं । इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह सूर्य हैं । संक्षिप्त में इसे ऐसे जाने कि प्रकाश देने वाला, शासन करने की क्षमता रखने वाला, परिश्रम से नही हटने वाला, स्वंय को मिटाकर दूसरों को सुख देने वाला ऐक मूलांक में जन्म लेता हैं । प्रत्येक मौसम में स्वंय को ढाल लेने वाला और अतंर्मन की बाते दूसरों पर ना जाहिर होने देने वाला व्यक्ति भी मूलांक ऐक में जन्म लेता हैं । अगर आप मूलाक ऐक में जन्में हैं तो आपमें सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने की शक्ति हैं, आप बेकार बैठना पंसद नही करते और आप भाग्यवादी नही हैं । परिश्रम करना आपकी आदत हैं, शिक्षा की कमी होने के बावजूद आप प्रतिभावान और बुध्दीमान हैं तथा दूसरों पर शासन करने की आपमें जन्मजात प्रतिभा हैं । आप बड़े दिल वाले और दान धर्म के कार्य में अग्रणी रहने वालें, मित्र तथा मित्रता की कद्र जानने वाले हैं । आप अपनी धुन के पक्के और कर्तव्य पालन के लिये तत्पर रहने वाले , चरित्र के धनी व्यक्ति हैं । आप किसी राजा की तरह अनुशासनप्रिय और स्वभावगत कठोर हैं । इसलिये कभी कभी आपकी गणना अंहकारी लोगों में भी होती हैं हालाकि आप उपर से कितने भी कठोर हों परन्तु अतंर्मन से आप बहुत कोमल होते हैं परन्तु अनुशासनप्रिय होने से अपने विचार नही बदलते और कभी कभी खलनायक स्वरूप प्रकट होते हैं । वैवाहिक जीवन में आप सदा ही त्याग के लिये तैयार रहतें हैं और जीवनसाथी से लगाव भी बहुत होता हैं परन्तु बात वही हैं कि आपकी ख्याति और लोगों में आपके प्रति फैला भ्रम आपके जीवनसाथी को भी प्रभावित करता हैं तथा आप उसे अपने कड़े अनुशासन और कठोर स्वभाव से परखते हैं । इससे वैवाहिक जीवन में मतभेद पैदा हो सकते हैं इस संबंध में आप सजग रहें ।

ॐ २, ११, २० और २६ तारिख को जन्म लिये जातक और उनका स्वभाव । प्रकृति अंनत हैं और उससे संबंधित कथाऐं उससे भी अनंत परन्तु मनुष्य की जिज्ञासा भी उतनी ही अंनत हैं । अंक दो का स्वामी चन्द्रमां माना जाता हैं और इसी के प्रभाव से अंक दो में जन्में लोग इस प्रकार के होते हैं । अगर आपका जन्म २, ११, २०, २६ तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक दो हैं । इसका प्रतिनिधित्क करने वाला ग्रह चन्द्रमॉ हैं । आप चन्द्रमा की शीतलता और मन की निरंतर बदलती विचारधारा से प्रभावित रहते हैं । आप कोमल स्वभाव और भावनाओं में बह जाने वाले कल्पनालोक में विचरने वाले व्यक्ति हैं । आप सभी को अपना समझते हैं और किसी भी बात को गुप्त नही रख पातें इसलिये कभी कभी लोग आपको मूर्ख समझकर अपमानित कर देते हैं । परन्तु आपका सहजपन और अपनापन लोग समझ नही पाते तथा आपकी प्रतिभा का आकंलन करने की दृष्टि उनके पास नही होती । आप व्यवहारिकता से परे और सासांरिक दाव पेच को न जानने वाले सदा हंसमुख रहने वाले सहज व्यक्ति हैं । हालाकि आप थोड़े जिददी भी हैं और जल्दी ही क्रेधित भी हो जाते हैं परन्तु फिर शॉतं भी वैसे ही हो जाते हैं । क्योंकि आपमें स्थिरता की कमी होती हैं इसलिये किसी भी कार्य को आरंभ करते तो बहुत जोश से हैं परन्तु फिर जरासी ही अ ड़चन आने पर हताश हो जाते हैं और मतलबी लोग आपकी इस कमजोरी का लाभ उठाते हैं तथा आपकी प्रतिभा का लाभ वे ले जाते हैं । आप प्राकृतिक प्रेम के पुजारी हैं और जीवनसाथी में अपने लिये प्रेम देखना चाहते हैं । स्वंय को और जीवनसाथी को सदा युवा रखने के लिये आप लालायित रहते हैं तथा इसके लिये अक्सर औषधि भी लेते हैं । परिवार के प्रति आपका पुर्ण लगाव होता हैं आपमें वासना अधिक होती हैं इसलिये जीवनसाथी को किसी भी रूप में आप छोड़ना पसंद नही करते हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ३, १२, २१, ३० तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक तीन हैं इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह गुरु हैं, इस तरह आपमें अध्यात्मिक शक्ति और ईश्वरीय आस्था बहुत हैं । आप ज्ञानी, विवेकी तथा बुध्दीमान हैं, आप व्यवहारकुशल भी हैं और आपमें उत्तमविचार कूटकूटकर भरे हैं । आप समय के साथ अपने विचारें में परिवर्तन करते रहते हैं तथा बहुत अच्छा बोलना भी जानते हैं परन्तु अधिक बोलना पंसद नही करते हैं । प्रगति करने की आपमें असिम ईच्छा होती हैं तथा कठोर मेहनत से प्रगति कर भी लेते हैं । आप गड़े मुर्दे उखाड़ने में होशियार हैं और किसी भी बात को जल्द पकड़ लेते हैं । आप अपने अंहकार और जिद के कारण अक्सर अपने सुखों का त्याग कर देते हैं तथा शत्रु बना लेते हैं । बहरहाल किसी भी कार्य को उसके नतिजे तक पहुचां कर ही दम लेते हैं । अपने शंकालू स्वभाव के कारण आप अपने जीवनसाथी को शंका की दृष्टि से देखते हैं परन्तु अपने दाम्पत्य जीवन को हर हाल में सुखी रखना चाहते हैं । इसी कारण अपने जीवनसाथी की छोटी से छोटी आवश्यकता का भी ध्यान रखते

हैं आपमें सैक्स अधिक होता हैं परन्तु आप इसे प्रकाश में नही आने देते और अपने वैवाहिक जीवन में इसका भरपूर आनंद लेते हैं, बहरहाल आप बनावटी प्रेम से दूर रहते हैं प्रेम विवाह आपके लिये अधिक सुखदायी सिध्द नही होता हैं और विवाह टूटने का खतरा बना रहता हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ४, १३, २२, ३१ तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक चार हैं और इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह केतु हैं । आप जल के भॉती निरंतर परिवर्तनशील हैं आपके मनोभाव को पढ़ना सहज नही हैं । आपके अंदर विस्फोटक शक्ति हैं इसलिये कभी आप रचनात्मक कार्य भी कर दिखाते हैं तो कभी आप व्यापक बर्बदी का कारण भी बनते हैं । आप हंसमुख और कोमल तो हैं परन्तु कभी कभी अचानक गम्भीर भी हो जाते हैं । आप बहुत ही रहस्यमय हैं और अपने अंतर्मन की गुप्त बातें किसी को बताना पंसद नही करते हैं । राजनिति में आपका होना ही गुप्त षडयन्त्र के होने का संकेत होता हैं । आप गुप्त से गुप्त षडयन्त्र रचने में माहिर हैं परन्तु आप शत्रुओं के शत्रु और मित्रों के मित्र हैं । अपनी धुन के पक्के हैं और भविष्य में होने वाली घटनाओ का पूर्वाभास कर लेते हैं । आप विवाहित जीवन का मतलब केवल सैक्स समझते हैं और आपमें सैक्स भी अधिक होता हैं परन्तु जीवनसाथी के प्रति सुहानूभूतिपूर्ण व्यवहार अवश्य रखते हैं । आपके ऐक से अधिक प्रेम संबंध हो सकते हैं और आप इस विषय में समाज की पर्वाह नही करते हैं । बहरहाल ये बात निश्चित हैं कि विवाहित जीवन को सुखी यॉ दुखी बनाना आपके अपने हाथ में हैं । आपके लिये जीवन में मानसिक प्रेम के मायने समझना आवश्यक हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ५, १४, २३, को हुआ हैं तो आपका मूलांक पॉच हैं । इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह बुध हैं । इसी के कारण आपका विचित्र स्वभाव हैं, आपके स्वभाव के हिसाब से आपके लिये जीवनसाथी ढूढंना ऐक कठिन कार्य हैं । आप कोमल, मधुर भाषी, दयालु, सुन्दर चरित्र, मिलनसार, हंसमुख दानी, ज्ञानी, विवेकी खोजी काल्पनिक और तेज आवाज में बोलने वाले व्यक्ति हैं । आप सूक्ष्म बुध्दी के अतिबुध्दीमान व्यक्ति हैं परन्तु बालक जैसा व्यवहार करते हैं । आपके भोले मासूम चेहरे तथाआपकी तर्कसंगत बातें सहज ही लोगों को आपकी ओर आकर्षित करती हैं । साधारणयता आप कर्तव्य परायण और सघंर्षपूर्ण जीवनसे धन कमाते हैं । आपको सुख की चाहत भी हैं और सुन्दर घर भी आप चाहते हैं परन्तु आप अपने बालक सुलभ स्वभाव पर नियंत्रण करें तो बहुत सी बुरी बातों से आप बचं जायेगें आप समय के साथ अपने विचार नही बदलते हैं और शिक्षा कम होते हुऐ भी आपको साधारण ज्ञान की कमी नही होती हैं । बहरहाल आप ये अच्छी तरह समझ लें कि समाज आपको समझ नही पायेगा इसलिये आप स्वंय ही अपने भविष्य का निर्माण करें । आप जीवनसाथी से बहुत प्रेम करते हैं और साधारणयता प्रेम विवाह ही करने की चाह रखते हैं । मानसिक परिश्रम अधिक होने के कारण आगामी जीवन में सैक्स की कमी हो जाती हैं और स्वय को अधूरा समझकर जीवनसाथी से दूर भागते हैं । आप जीवनसाथी को हंसमुख देखना चाहते हैं और अपनी कमजोरी को छुपाकर भी रखना चाहते हैं । बहरहाल ये समझ लें कि आपका दाम्पत्य जीवन आपके स्वभाव पर निर्भर करेगा ।

ॐ अगर आपका जन्म ६,१५, २४ तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक छह हैं और इसका प्रतिनिधित्व करने काला ग्रह शुक्र हैं । आप छोटे कद के गठित स्वास्थ के धीर, स्थिर और सहनशील हैं । सौन्दर्य, कला और संगीत के आप उपासक हैं, आप साफ सुथरा रहना पंसद करते हैं और सुगधित चीजें पसदं करते हैं परन्तु आपका मन ज्यादा साफ नही होता हैं । आपमें अहंम की भावना अधिक होती हैं तथा दूसरों पर प्रभाव जमाने की ईच्छा रखते हैं । आप निडर तो हैं ही परन्तु ऐक कुशल कूटनितिक भी हैं इसलिये जीवनरूपी व्यवहारिक सागर को आसानी से पार कर जाते हैं । भोग विलास पर आपका बहुत व्यय होता हैं, गुप्त रहस्य जानने के लिये सदा लालायित रहते हैं । शत्रु के प्रति पुर्ण सजग रहते हैं तथा समय पड़ने पर शत्रु की प्रशंसा भी करते हैं आपके विचार बहुत क्रांतिकारी होते हैं अगर वश चले तो आप अपने क्रांतिकारी विचारों से समाज में बुनियादी बदलाव लाकर दिखा सकते है । आप जीवनसाथी के प्रति पूर्ण प्रेममय रहते हैं और उसकी जरूरतों का पुरा ख्याल रखते हैं । आपमें सैक्स की मात्रा अधिक होती हैं इसलिये आप जीवनसाथी से दूर रहना पंसद नही करते परन्तु फिर भी विडंबना हैं कि आपका वैवाहिक जीवन अधिक सुखी नही हो पाता । इसका कारण भी यही हैं कि आपमें सैक्स का मात्रा अधिक होती हैं और आप सदा इससे प्रभावित रहते हैं और विपरित लिंग आपको बहुत आकर्षित करता हैं तथा ऐक जीवनसाथ के होते हुऐ भी आप दूसरे प्रेम में पड़ जाते हैं । इस निर्बलता पर आपका वश नही चलता और वैवाहिक जीवन दुखी हो उठता हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ७, १६, २५ तारीख को हुआ हैं तो आपका मूलांक सात हैं और इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह राहु हैं । आप अपने में तूफान समेटें हुऐ हैं और कुछ कर दिखाने की आपमें आश्चर्यजनक क्षमता हैं । आप व्यवहार से पुर्ण स्वार्थी लगते हैं परन्तु असल में होते नही हैं । आपका चेहरा हंसमुख हैं परन्तु नाटक करना आप खूब जानते हैं । आपका दिमाग कम्प्युटर के जैसे कार्य करता हैं, अविष्कार, षडयन्त्र और युनियनबाजी करना आपकी क्षमता में हैं । वैसे आप स्वंय भी अपनी क्षमता से परिचित नही हैं, आप बहुत कठोर विचारों के हैं और जटील से जटील कार्य भी सहज ही कर डालते हैं । विश्व की अनहोनी घटनाओं में आपका हाथ होना बड़ी बात नही हैं । आप पूर्णरूप से विचारक हैं और दुध का दुध और पानी का पानी कर डालने की क्षमता रखते हैं । परन्तु आपको अपने झक्की स्वभाव पर नियंत्रण रखना चाहिये अन्यथा वैवाहिक जीवन में तुफान उठ जाना बड़ी बात नही हैं । आप छोटी छोटी बातों को भूल जाते हैं तथा आपमें सैक्स की कमी भी पायी जाती हैं इसलिये कभी कभार वैवाहिक जीवन टुट की कगार पर पहुच जाता हैं । आपको प्रेम विवाह से परहेज ही करना चाहिये इसलिये कि आगामी जीवन में आपकी व्यस्तता आपके वैवाहिक जीवन को बिखरा सकती हैं ।आप ध्यान दें कि आपके स्वभाव पर ही आपके वैवाहिक जीवन का दारोमदार हैं । बहरहाल जीवनसाथी के प्रति आपकी सुहानुभूति प्रशंसा के योग्य हैं । अंतिरिक्त बुध्दी और वैज्ञानिक विचारधारा आपकी विशेषता हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ८, १७, २६, को हुआ हैं तो आपका मूलांक ऑठं हैं तथा इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह शनी हैं । इसी से प्रभावित होकर आप सत्यनिष्ठ, धर्म, कर्म, योगी, ज्ञानी, विवेकी, चरित्रवान और सहनशील बने हैं । आपमें अहंम तो हैं परन्तु इससे आप केवल स्वाभिमान की रक्षा में लगाते हैं आप ऐकान्तवास में रहना पसंद करते हैं । आपका कठोर परिश्रम प्रशसां के योग्य हैं परन्तु नियति का खेल हैं आपके लिये सफलता देर से ही लिखि गई हैं । आप मित्रों से धोखा भी खा सकते हैं और सफलता देर से लिखी होने के कारण अक्सर कर्ज में डूबे रहते हैं । बहरहाल त्याग और संर्घष आपके जीवन का मूलमंत्र हैं । प्राकृतिक गुप्त रहस्य जानने को आप लालायित रहते हैं और राजनिति भी आपकी दिलचस्पी का केन्द्र बन सकती हैं । आप काल्पनिक नही हैं इसलिये मौलिक परिवर्तन कर दिखाना आपकी विशेषता हैं । वैवाहिक जीवन मानसिक स्तर पर ठीक होता हैं परन्तु आर्थिक परेश्याानियॉ वैवाहिक जीवन को दुखमय बना देती हैं । जीवनसाथी की प्रत्येक आवश्यकता पुर्ण करना चाहते हैं और इसके लिये आप कुछ भी कर सकते हैं । सैक्स की मात्रा बहुत होती हैं इसलिये भी जीवनसाथी से प्रेम होता हैं । उम्र के साथ वासना बढ़ती जाती हैं और अगर जीवनसाथी ईच्छा पुर्ण करने में असमर्थ हो तो आप दूसरे संबंध भी बना लेते हैं । बहरहाल धन आपके लिये मूल समस्या हैं ।

ॐ अगर आपका जन्म ९, १८, २७, को हुआ हैं तो आपका मूलांक हैं नौ और इसका प्रतिनिधित्व करने वाला ग्रह मंगल हैं। जिसके कारण आप साहसी, हठी, परिश्रमी और लड़ाकू बने हैं । आप पुरूषार्थ में अधिक विश्वास रखते हैं और समय आने पर दिखावटी प्रेम प्रदर्शन करने से नही चूकते । आपका मूलमंत्र हैं शक्ति ईस्तेमाल और शासन परन्तु अपने हठ के कारण आप बहुत हानि कर लेते हैं । सामान्य ज्ञान की कमी होने के कारण आप कभी कभी स्वंय को महान समझ बैठते हैं । आपका क्रोध भी आपके लिये अपयश ही अर्जित करता हैं । अपनी बुराई ना ही आप स्वंय देखते हैं और ना ही किसी और से सुनना पंसद करते हैं । बहरहाल मीठा सुनना और प्रशंसा सुनना आपका शौक हैं । आप बहुत कठोर हैं परन्तु ईश्वर से डरते हैं, भले ही आपका मूलमंत्र शासन हैं परन्तु आपके हाथ में सत्ता आते ही आपके कठोर नियम के कारण विद्रोह भड़क उठने की सभावंना रहती हैं । वैवाहिक जीवन के लिये आपके पास कोई विशेष नियम नही हैं वासना की शॉती हो जाने से ही आप इससे सन्तुष्ट हो जाते हैं और जीवनसाथी को कोई अहमियत नही देते हैं । इसलिये विवाह का आरंभ तो ठीक रहता हैं परन्तु जैसे जैसे समय बीतता हैं कटुता आरंभ हो जाती हैं । अगर ना निभे तो आप विवाह जैसे पवित्र बंधन को भी तोड़ देने में हर्ज नही समझते हैं । बहरहाल साहस, दबंगता और शक्ति ईस्तेमाल से ही सब कुछ नही चलता हैं । समाप्त ।